उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में विपणन के बुनियादी ढांचे और पेट्रोलियम उत्पाद की उपलब्धता

केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कल गुवाहाटी में उत्तर पूर्वी क्षेत्र में विपणन के बुनियादी ढांचे और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में असम और मणिपुर के मंत्रियों, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सभी पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता और इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। इस बैठक में शामिल होने वाले राज्यों ने उत्पादों की उपलब्धता की वर्तमान स्थिति, आने वाली समस्याओं और सुधार के सुझावों पर विस्तार से अनुभव साझा किए गये।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अपने समापन भाषण में तेल विपणन कंपनियों से सभी योग्य परिवारों को प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन जारी करने का आग्रह करने के अलावा दूरदराज के क्षेत्रों में आसानी से एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु एक्सचेंशन काउंटर खोलने के लिए जगह का चुनाव करने, 5 किलो वाले सिलेंडरों की उपलब्धता को बढ़ावा देने, सीएनजी / पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए सिटी गैस वितरण को बंद करने में गति लाने के साथ ही इस क्षेत्र में उत्पादों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने को कहा।

उपराष्ट्रपति ने सुब्रमण्य भारती के जयंती समारोह को किया संबोधित

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा है कि गुरु देव रवींद्रनाथ टैगोर की तरह सुब्रमण्य भारती, भी भारत से संकीर्ण अंदरूनी भेदों को खत्म करना चाहते थे। एम वेंकैया नायडू आज चेन्नई में महान राष्ट्रीय कवि सुब्रमण्य भारती के जयंती समारोह में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर तमिलनाडु के राज्यपाल, बनवारलाल पुरोहित और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें भारती और महाकवि %का शीर्षक दिया गया था। दोनों ही उनकी कविता और उनके भाषणों के माध्यम से पत्रों की दुनिया में उनके असाधारण योगदान को दर्शाते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सही मायने में ज्ञान की देवी आशीर्वाद प्राप्त था।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी 'स्वतंत्रता' का सपना व्यापक अर्थों में था। वह न केवल वह स्वतंत्रता संग्राम में शामिल रहे बल्कि निरंतर विदेशी शासन के खिलाफ लड़ते रहे। वह चाहते थे कि भारत भूख, लिंग भेदभाव, अस्पृश्यता, अशुद्ध वातावरण, संकीर्ण भाषाई और धार्मिक धर्मान्धता से मुक्त हो।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीयों को उनकी समृद्ध विरासत और भाषा पर गर्व होना चाहिए और साहित्य इस विरासत का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने भारत की विविधता को सराहा और सभी भाषाओं से प्रेम किया और तेलुगू को 'सुंदर तेलुगु' के रूप में वर्णित किया।

ज़ी टीवी के डांस इंडिया डांस 6 में प्रतिभागियों को चुनौती देंगी मिया माइकल्स

ज़ी टीवी का डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस भारत में डांस की दुनिया में एक नई क्रांति लाया है। इसी शो ने लाखों लोगों के लिए डांस को करियर का एक बड़ा विकल्प बनाया और इंडस्ट्री को सबसे बड़े डांसिंग सितारे दिए, जो आज अपना एक खास मुकाम बना रहे हैं। ऐसे ही बहुत से उभरते डांसर्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर देने की उम्मीद लिए डांस इंडिया डांस सीजन 6 हाल ही में शुरू हुआ है।

यह शो अपने जबर्दस्त टैलेंट के जरिये दर्शकों के दिलों पर राज कर रहा है। अब इस शो में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कोरियोग्राफ र और अंतर्राष्ट्रीय शो सो यू थिंक यू कैन डांस की जज मिया माइकल्स जल्द ही इस शो में एक गेस्ट चेलेंजर के रूप में नजर आएंगी। अपनी कंटेंपररी कोरियोग्राफी के लिए मशहूर मिया ने कई मशहूर कलाकारों के साथ काम किया है, जिनमें मैडोना, रिकी मार्टिन, ग्लोरिया एस्टेफन, एन्ना विस और प्रिंस जैसे कलाकार शामिल हैं।

मिया माइकल्स ने सो यू थिंक यू कैन डांस में शानदार कोरियोग्राफी के लिए अनेक एमी अवार्ड भी अपने नाम किए हैं। डांसर्स के परिवार में जन्मी मिया ने 3 साल की उम्र में ही अपने पिता से डांस सीखना शुरू कर दिया था और वे जल्द ही जैज़, टैप और बैलेट में पारंगत हो गईं। उन्होंने अपनी बहन से कंटेम्परारी डांस सीखा और इस विधा में भी महारत हासिल की। (19-8)

एस्ट्रॉन पेपर एंड बोर्ड मिल लिमिटेड का आईपीओ 15 दिसंबर को सार्वजनिक होंगे

अहमदाबाद, क्राफ्ट पेपर के निर्माण में संलग्न एस्ट्रॉन पेपर एंड बोर्ड मिल लिमिटेड (कंपनी) द्वारा अपने प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ या निर्गम) का लोकार्पण किया जाएगा। यह निर्गम 15 दिसंबर, 2017 से शुरू होगा और 20 दिसंबर, 2017 को समाप्त होगा, जिसमें कंपनी के 10/- रुपये के फेस वैल्यू के प्रत्येक इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 45/- रुपये से 50/- रुपये होगा।

इस आईपीओ में कंपनी के 1,40,00,000 इक्विटी शेयरों की पेशकश शामिल है, जिसमें प्रत्येक का फेस वैल्यू 10 रुपये (इक्विटी शेयर) है। इस निर्गम में 7,00,000 इक्विटी शेयरों को योग्य कर्मचारियों द्वारा सब्सक्रिप्शन के लिए आरक्षित (कर्मचारी आरक्षित अंश) किया गया है।

कंपनी ने निम्नलिखित क्षेत्रों में इस निर्गम से प्राप्त कुल आय का उपयोग करने का प्रस्ताव दिया है - (i) क्राफ्ट पेपर के निर्माण के लिए 80 से 180 जीएसएम तक के न्यूनतम जीएसएम तथा 12 बी.एफ. से 20 बी.एफ. तक के न्यूनतम बी.एफ. के साथ एक अतिरिक्त निर्माण केन्द्र स्थापित करना, (ii) असुरक्षित ऋण के एक अंश का पुनर्भुगतान करना, (iii) कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए वित्तीय सहायता देना, तथा (iv) कंपनी के सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। (3-1)

समग्र मछली-उत्पादन 1950-51 के 7.5 लाख टन से बढ़कर 2016-17 में 114.1 लाख टन हुआ-राधा मोहन सिंह

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने कहा है कि भारत विश्व में मछली उत्पादन में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। समग्र मछली-उत्पादन 1950-51 के 7.5 लाख टन से बढ़कर 2016-17 में 114.1 लाख टन हो गया है। साथ ही इस क्षेत्र से देश के डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है। यह बातें श्री सिंह ने आज पणजी, गोवा में आयोजित एक्वा गोवा वृहद मत्स्य उत्सव, 2017 के मौके पर कही। इस अवसर पर गोवा के मात्स्यिकी मंत्री श्रीमान विनोद पाल्येकर भी उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि भारत में मात्स्यिकी एक तेजी से उभरता हुआ सेक्टर है, जो देश की एक बड़ी आबादी को पोषण-युक्त भोजन तथा खाद्य-सुरक्षा प्रदान करता है और उसके साथ मछुआरों और मछली-पालकों को आय और रोजगार भी प्रदान करता है। भारत में मात्स्यिकी सेक्टर का विकास केवल देश की प्रोटीन आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा यह विश्व के मत्स्य उत्पादन में भी लगभग 6.2 प्रतिशत का महत्वपूर्ण योगदान करता है।

श्री सिंह ने आगे कहा कि वर्ष 2011-12, 12-13 एवम 13-14 के मत्स्य-उत्पादन की तुलना पिछले तीन वर्ष 2014-15, 15-16 और 16-17 से करने पर पता चलता है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान 'समग्र मत्स्य-उत्पादन' मे लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर प्राप्त की है। जहाँ समुद्री-मात्स्यिकी मे लगभग 6.65 प्रतिशत की वृद्धि -दर प्राप्त की गयी है, जबकि इनलैंड मात्स्यिकी मे देश ने 26.07 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि 2016-17 के दौरान देश को मत्स्य-उत्पादों के निर्यात के माध्यम से अब तक की सबसे अधिक 5.78 बिलियन अमरीकी डॉलर (अर्थात 37,871 करोड़ रूपए) की विदेशी मुद्रा अर्जित हुई है।

श्री सिंह ने बताया कि झींगा उत्पादन मे भारत का प्रथम स्थान है, साथ ही हमारा देश विश्व में झींगा का सबसे बड़ा निर्यातक देश भी है। पिछले एक दशक मे जहाँ विश्व में मछली एवम मत्स्य-उत्पादो के निर्यात की औसत वार्षिक विकास दर 7.5 प्रतिशत रही है, वही भारत मत्स्य-उत्पादो के निर्यात मे 14.8 प्रतिशत की सर्वाधिक औसत वार्षिक विकास दर के साथ प्रथम स्थान पर रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मात्स्यिकी सेक्टर में विकास की अपार क्षमता और संभावनाओं को देखते हुये ही माननीय प्रधानमंत्री ने 'नीली क्रांति' का आह्वान किया है। इस संदर्भ में सरकार ने मात्स्यिकी सेक्टर की सभी योजनाओं को 'नीली क्रांति मात्स्यिकी का एकीकृत विकास और प्रबंधन नामक एकछत्र योजना' के अंतर्गत विलय कर दिया है और 5 वर्षों के लिए 3 हजार करोड़ रूपए का परिव्यय अनुमोदित किया है।

श्री सिंह ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने भारत के समग्र विकास के लिए एक स्लोगन और विजन दिया है- जो है 'किसानों की आय को दोगुना करना'। 'नीली क्रांति' नई और आधुनिक प्राद्योगिकी के प्रयोग में तेजी लाने, मछुआरों तथा मछली-पालकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, वैज्ञानिक परामर्शों और पद्धतियों को अपनाने, प्रजातियों के विविधिकरण तथा मत्स्य-स्वास्थ्य प्रबंधन इत्यादि पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सरकार का मुख्य उदेश्य् 'नीली क्रांति' के कार्यान्वयन के माध्यम से मछुआरों तथा मछली पालकों की आय को 2022 तक दोगुना करना है।

समुद्री मात्स्यिकी मे उत्पादन को बढ़ाने के लिये नीली क्रांति योजना के अंतर्गत केज कल्चर को बढ़ावा दिया जा रहा है, तथा तटवर्ती राज्यों को आर्थिक सहायता के साथ साथ ट्रेनिंग और क्षमता विकास मे भी मदद की जा रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस मौके पर बताया कि मछुआरा कल्याण योजना के अंतर्गत सामान्य राज्यों में मछुआरा आवास की सहायता के लिए युनिट लागत को 0.75 लाख रूपए से बढ़ाकर 1.20 लाख रूपए तथा पूर्वोत्तर और पर्वतीय राज्यों में 1.30 लाख रूपए कर दिया गया है। मछुआरा आवास योजना को प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के साथ जोड़ा जा रहा है और उसके निधियन पैटर्न और दिशानिर्देशों के समरूप बनाया जा रहा है। भारत सरकार ने पारम्परिक मछुवारो को 'डीप-सी फिशिंग' मे आगे बढ़ाने के लिये महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये 9 मार्च, 2017 को नीली क्रांति योजना के अंतर्गत एक नया घटक जोड़ा है, जिसके अंतर्गत रु 80 लाख मूल्य वाली आधुनिक तकनीकी वाली डीप-सी फिशिंग नौकाये उपलब्ध कराने में, पारंपरिक मछुवारो को, उनके स्वंय सहायता समूहो, सोसायटी, या संगठनों को भारत सरकार द्वारा 50 प्रतिशत अर्थात रु.40 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जायेगी।

इस सर्दी के मौसम में अपनायें मोंटे कॉर्लो के ये खास 'स्टेगटमेंट सॉक्स'

स्टेटमेंट सॉक्स् यानी मोजे पहनने वाले लोगों के लिए फैशन की नई प्रवृत्ति हैए इसी को ध्यान में रखते हुएए भारत के अग्रणी फैशन ब्रांड मोंटे कार्लो ने हाल ही में अपने डिजाइनर मोज़े की नई रेंज लांच की है, जो कि न केवल ठंड के इस मौसम को ध्यारन में रखकर तैयार की गई है बल्कि साथ यह फैशन को ध्यान में रखकर भी तैयार की गई है। फाइबर के उच्च गुणवत्ता वाले मिश्रण से बने, मोंटे कार्लो ये मोजे बहुत ही आरामदायक हैं और इनको पहनने से खास अनुभव भी होता है।

'मोंटे कार्लो द्वारा तैयार सर्दियों में मोजों का संग्रह की यह श्रृंखला फैशन, खेलए कैजुअल और फॉर्मल, सभी विकल्पों को ध्यान में पेश की गई है, इसके अलावा इसमें किसी खास मौके के लिए भी इसमें बेहतरीन विकल्पल हैं। इस श्रृंखला में पूरी तरह से 100 प्रतिशत ऊन के मोजे हैं जो ठंडक में गर्मी प्रदान करते हैं। इसके अलावा, इसमें जिस फैब्रिक का प्रयोग किया गया है उससे खुजली नहीं होती, इसे धोया भी जा सकता है और यह कीट.पतंगो रहित भी है।' मोंटे कार्लो की निदेशक मोनिका ओसवाल ने ये बातें कहीं। फैशन के प्रति उत्साही लोगों के लिएए मोजे इस विशेष संग्रह में कई रंग, बोल्ड पैटर्न और आकर्षक डिजाइन के विकल्पो मौजूद हैं। पोल्का डॉट्स, कैमाउफ्लेज, चेक और अन्यो पैटर्न भी उपलब्ध हैं। (13-9)

'डीआरवीआर' ने एशिया के पहले स्मार्ट फ्लीट नेटवर्क में बदलाव लाने के लिए टाटा कम्युनिकेशंस के साथ की साझेदारी

मुंबई, इंटरनेषनल फ्लीट मैनेजमेंट एप्लिकेषन प्रदाता डीआरवीआर ने एषिया के वाहनों के बेड़ों को पूरी दुनिया में सबसे स्मार्ट और किफायती बनाने के अपने उद्देष्य को हासिल करने में मदद के लिए अपने वैष्विक आईओटी कनेक्टिविटी साझेदार के तौर पर टाटा कम्युनिकेषंस को चुना है। टाटा कम्युनिकेषंस के मोबिलिटी सॉल्यूषन मूवrm का लाभ उठाते हुए डीआरवीआर थाईलैंड, म्यांमार, फिलिपींस और इंडोनेषिया से जुटाई गई सूचनाओं को स्मार्ट फ्लीट मैनेजमेंट के माध्यम से कुषलताएं बढ़ाने और लागत बचत में सुधार के लिए कार्ययोजना में परिवर्तित कर सकता है।

कनेक्टेड वाहनों की षुरूआत से उपभोग में और ह्यूमर टू मषीन इंटरफेस एप्लिकेषन और सॉल्यूषंस तैयार करने में तेजी आएगी। इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर एक फॉरैस्टर रिपोर्ट के मुताबिक खुदरा और थोक में परिवहन और लॉजिस्टिक्स में फ्लीट प्रबंधन और उनका उपयोग आईओटी वृद्धि के लिहाज से सबसे उपयोगी साबित होगा। एषिया पैसिफिक ऑटोमोटिव टेलीमैटिक्स बाजार के 2020 तक 1,52,480 लाख डॉलर के मूल्य तक पहुंच जाने की उम्मीद है जिसका सीएजीआर समीक्षाधीन अवधि के दौरान 11.6 फीसदी रहने का अनुमान है। (7-4)

भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने परिवेदन और शिकायतों के समाधान के लिए विनियमों को अधिसूचित किया

भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने 7 दिसंबर, 2017 को भारत के राजपत्र में आईबीबीआई (प्रतिवेदन और शिकायत प्रबंधन प्रक्रिया) विनियम, 2017 को अधिसूचित किया है। यह नियम भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोड 2016 (कोड) के अंतर्गत एक हितधारक को एक सेवा प्रदाता, दिवालिया पेशेवर एजेंसी, दिवालिया पेशेवर, दिवाला पेशेवर संस्था या सूचना उपयोगिता के खिलाफ शिकायत दर्ज करने में सक्षम बनाता है। इसके साथ-साथ यह विनियमन आईबीबीआई द्वारा प्रतिवेदनों और शिकायतों के निपटान के लिए एक पारदर्शी प्रक्रिया प्रदान करता है। इस नियम के तहत एक हितधारक सेवा प्रदाता के आचरण, पीड़ित होने के कारण चाहे वह आर्थिक हो अथवा या अन्य के विवरण के अलावा सेवा प्रदाता के संचालन से हुई पीड़ा के निवारण के लिए सेवा प्रदाता के खिलाफ शिकायत दर्ज कर सकता है। एक हितधारक दो हजार पांच सौ रुपये (2500 रुपये) के शुल्क के साथ निर्दिष्ट फॉर्म में इसकी शिकायत दर्ज कर सकता है। शिकायतकर्ता को इस संदर्भ में किसी भी सेवा प्रदाता या उससे संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ आईबीबीआई द्वारा जारी किए गए विनियमों या नियमों या दिशानिर्देशों के अंतर्गत किसी भी प्रावधान के कथित उल्लंघन के लिए विवरण देना आवश्यक है, इसके साथ-साथ सेवा प्रदाता या उससे संबंधित व्यक्तियों के कथित आचरण या गतिविधि के लिए आचरण या गतिविधि की तिथि और स्थल के साथ कथित उल्लंघन के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा है। यदि शिकायत गंभीर अथवा दुर्भावनापूर्ण नहीं है, तो शुल्क वापस कर दिया जाएगा।

अगर आईबीबीआई यह मानती है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है तो वह विनियमन 3 के उप-विनियमन (3) के तहत निरीक्षण, विनियमन 7 के उप-विनियमन (2) के तहत एक जांच का आदेश अथवा कारण नोटिस जारी कर सकता है। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (निरीक्षण एवं अन्वेषण) विनियमन, 2017 के विनियमन 11 के उप-विनियमन (2) के तहत इस मामले को तदनुसार आगे बढ़ाया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय के 60 वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह आज लखनऊ में लखनऊ विश्वविद्यालय के 60वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राम नाईक ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों में अनुसंधान पर काम करने को कहा जिससे समाज को आगामी समय में लाभ मिल सकें।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में श्री राजनाथ सिंह ने युवाओं को देश की प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवस्था में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। भारत की उत्कृष्ट संस्कृति और साहित्य का उल्लेख करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छात्र इस ज्ञान को राष्ट्र निर्माण में लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को न केवल अकादमिक शिक्षा प्रदान करनी चाहिए बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण और समग्र शिक्षा की दिशा में भी कार्य करना चाहिए।

इसके पश्चात श्री राजनाथ सिंह ने 192 छात्रों को डिग्री प्रदान की जिनमें 159 लड़कियां थी जो उत्तीर्ण हुए छात्रों का करीब 83 प्रतिशत है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने श्री राजनाथ सिंह को डॉक्टरेट ऑफ साइंस (डीएससी)की मानद उपाधि भी प्रदान की।

डॉ. महेश शर्मा ने बौधि पर्व-बौद्ध विरासत के समृद्ध उत्सव का उद्घाटन किया

संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा ने वर्तमान समय में भगवान बुद्ध के शांति और सद्भाव के संदेश को प्रासंगिक बताते हुए कहा कि इन संदेशों ने विभिन्न देशों को एक सूत्र में पिरोया है। डॉ. शर्मा आज दिसम्बर 08, 2017 को नई दिल्ली में बौधि पर्व-बौद्ध विरासत के समृद्ध उत्सव का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ढाई सहस्राब्दी पहले दिए गए महात्मा बुद्ध के संदेश आज भी प्रासंगिक है और यह विभिन्न देशों के बीच एक कड़ी के रूप में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि शांति, समग्रता और प्रेम व स्नेह के नैतिक मूल्य हमारे समाज में विद्यमान है और इन पर महात्मा बुद्ध और बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का प्रभाव है। डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि बौधि पर्व के अंतर्गत बौद्ध विरासत की घनिष्ठ परंपरा दर्शायी गई है इस दौरान भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध कलाओं और वास्तु की प्रदर्शनी, विशिष्ट शिक्षाविदों और बौद्ध धर्म के अनुयायी के बीच संवाद, बौद्ध संयासियों द्वारा बौद्ध धर्म के संदेशों का पाठ और चिंतन, बौद्ध धर्म पर फिल्मों का प्रदर्शन, नृत्य एवं संगीत, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं एवं खानपान के स्टॉल भी लगाए गए हैं। इससे बिमस्टेक देशों की समृद्ध और समान परपंरा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्रीय संगठन में बंगाल की खाड़ी के आसपास के सात सदस्य देश शामिल हैं जो एकता के बंधन में बंधे हैं। बिमस्टेक देशों ने इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूरे विश्व की आबादी का पांचवे हिस्से के बराबर इन देशों की संयुक्त रूप से जीडीपी 2 दशमलव 8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। अक्तूबर, 2016 में गोवा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित इन देशों के नेताओं के सम्मेलन में इस दिशा को और अधिक गति हासिल हुई है। सदस्य देशों के बीच संपर्क, व्यापार, लोगों के बीच आपसी संपर्क और संसाधनों के अधिकाधिक इस्तेमाल पर सहमति बनी है और इस पर तेजी से कार्यान्वयन हो रहा है।

अरविन्द लि. के कर्मचारियों में मतदान जागृति अभियान

अहमदाबाद: लोकशाही का महापर्व ऐसे चुनाव में प्रत्येक मतदाता अपने मतदान का अवश्य प्रयोग करता है। लोकशाही में प्रत्येक मतदाता की चुनाव प्रक्रिया में श्रद्धा बनी रहे यह इच्छनीय हैं । अहमदाबाद स्थित अरविन्द लि. द्वारा कर्मचारियों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने विविध जागृति कार्यक्रम शुरू किये गये हैं । अरविन्द लि. द्वारा मतदान करनेवाले कर्मचरियों को टेक्न गिफ्ट देने की भी घोषणा की गयी है।

अरविन्द लि. द्वारा अपने अहमदाबाद स्थित चार और गांधीनगर पास के उत्पादन यूनिट में तमाम कर्मचारियों को 100 प्रतिशत मतदान के ळिए प्रोत्साहित किया गया है। कंपनी द्वारा कर्मचारी लोकशाही के इस महापर्व में अपने माताधिकार का अवश्य उपयोग करें इसके लिए पोस्टर, बैनर एवं विडियो फिल्म द्वारा मतदान जागृति अबियान शुरू किया गया हैं। अनेक शहर के मतदाता जब मतदान के लिए उदासीनता अपनाते होने के मामले बढ़ गये हैं ऐसे में अरविन्द लि. इस मतदान जागृति अभियान लोकशाही प्रणालि में मील का पत्थर और उदाहरण रुप साबित होगा। (22-1)

लघु अवधि के पाठ्यक्रम अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं-मुख्तार अब्बास नकवी

केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामले मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि जीएसटी सुविधा केन्द्र और स्वच्छता पर्यवेक्षक जैसे लघु अवधि के पाठ्यक्रम अल्पसंख्यक समुदायों के युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। मौलाना आजाद शिक्षा फाउंडेशन (एमईईईएफ) के सामान्य निकाय और शासी निकाय की अध्यक्षता करते हुए श्री नकवी ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों के युवा जीएसटी सुविधा केन्द्र से संबंधित लघु अवधि के पाठ्यक्रमों के जरिए रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे छोटे, मध्यम उद्यमों और बड़े व्यवसाय समूहों की भी मदद कर रहे हैं। इसके साथ ही, श्री नकवी ने कहा कि स्वच्छता पर्यवेक्षकों को पूरे देश में अलग-अलग स्वच्छता परियोजनाओं में नौकरी मिल रही है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत लाखों शौचालयों, स्वच्छता केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है और ये स्वच्छता पर्यवेक्षक स्वच्छता अभियान को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

मंत्री श्री नकवी ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षिक सशक्तिकरण और कौशल विकास के प्रभावी मिशन के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में सरकार अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा कर रही है।

श्री नकवी ने जोर देते हुए कहा कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय अपने कुल बजट का 65 प्रतिशत से भी ज्यादा अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं के शैक्षिक सशक्तिकरण और कौशल विकास के लिए व्यय कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वित्तीय सहायता तथा विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का उल्लेख किया, इसके तहत बेगम हजरत महल कन्या छात्रवृत्ति योजना अल्पसंख्यक समुदाय के शैक्षिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है।पिछले 3 वर्षों में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने भिन्न-भिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के जरिए करीब 1.5 करोड़ से भी ज्यादा छात्रों को लाभ प्रदान किया है। श्री नकवी ने कहा कि बेगम हजरत महल कन्या छात्रवृत्ति के लिए अब तक करीब 3 लाख से भी ज्यादा आवेदन आ चुके हैं।

श्री नकवी ने स्पष्ट करते हुए कहा कि पिछले 3 वर्षों में बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम के तहत कई सुविधाएं जैसे 4377 स्वास्थ्य केन्द्र, 37068 आंगनवाड़ी केन्द्र, 10649 पीने के पानी की सुविधा, 32000 अतिरिक्त कक्षा, 1817 स्कूल भवनों, 15 स्नातक महाविद्यालयों, 169 आईटीआई, 48 पोलिटेकनिक, 248 बहुउद्देशीय समुदायिक केंद्रों सद्भाव मंडप, 1064 छात्रावासों और 27 आवासीय स्कूलों का निर्माण अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में किया गया है। उन्होंने कहा कि 100 गरीब नवाज कौशल विकास केन्द्र पूरे देश भर में स्थापित किए जा रहे हैं।

मंत्री श्री नकवी ने कहा कि हुनर हाट एवं अन्य कौशल विकास कार्यक्रमों को जरिए करीब 5 लाख अल्पसंख्यक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं।इस बैठक में श्री नकवी ने विशेष रूप से जोर देकर कहा कि सभी योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू किया जाना चाहिए, ताकि इन सभी योजनाओं का लाभ समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंच सके। मंत्री ने कहा कि वे खुद ही इन शैक्षणिक सशक्तिकरण और कौशल विकास कार्यक्रमों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा।

बाल माह के आयोजन के साथ कैनन की ओर से युवाओं की आकांक्षाओं को प्रोत्साहन देने का प्रयास

'क्योसेई' अर्थात जनहित के लिए साथ मिलकर काम करने, की अपनी कॉर्पोरेट अवधारणा को वास्तविकता में परिणत करते हुए, कैनन इंडिया ने इस वर्ष महीने भर तक चलने वाले बाल दिवस समारोह का आयोजन किया है। बच्चों के प्रति अपने सहानुभूति की भावना को कार्यान्वित करने के साथ-साथ अपने दोनों सीएसआर उपक्रमों, अर्थात अडॉप्ट अ विलेज तथा सपोर्ट अ लाइफ पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कैनन इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उनके विकास पर सतत एवं दूरगामी प्रभाव डालने के माध्यम के तौर पर काम कर रहा है।

बाल दिवस समारोह के एक हिस्से के तौर पर विभिन्न प्रकार की दूरदर्शी गतिविधियों को संपन्न किया गया, जिसके पीछे विचार यह है कि इन बच्चों को बाहरी दुनिया का अनुभव करने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया जाए तथा उन्हें अपने उज्जवल भविष्य के लिए सपने देखने और इस दिशा में काम करने की प्रेरणा दी जाए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को तेजी से गतिशील एवं भविष्यवादी दुनिया के साथ परिचित करना है, जिससे वे अपने दैनिक जीवन में अपरिचित रहते हैं। इस प्रशंसनीय उद्देश्य को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासों के महत्व को समझते हुए, कैनन ने इस प्रकार के संवहनीय कार्यों के जरिए इस प्रयास को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया है, ताकि सार्थक प्रभाव लाया जा सके। (20-4)

भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय समूह गीत प्रतियोगिता के 43वें संस्करण में भाग लिया

भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आज (10 दिसंबर, 2017) को भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित देशभक्ति गीतों की राष्ट्रीय समूह गीत प्रतियोगिता के 43वें संस्करण की शोभा बढ़ाई और इसे संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए माननीय राष्ट्रपति ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और पांच लाख बच्चों की प्रशंसा की, जिन्होंने विभिन्न स्तरों पर इस प्रतियोगिता में भाग लेकर इसे यथार्थ अभियान बनाया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

डी.आर.एम./बिजली, उ.प.रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई– निविदाएं आंमत्रित करते है। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता** : **www.ireps.gov.in 2. ई–निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : **12.01.2018** को 15.00 बजे तक **3. ई–निविदाएं खोलने की तिथि व समय** : **12.01.2018** के तुरन्त बाद **निविदा संख्या** : 23/17–18 **कार्य का विवरण** : जोधपुर मंडल के मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय और ए1, ए और बी श्रेणी के स्टेशनों के कार्यालयों में चार वर्षो के लिये डेजर्ट कूलरों को Hire Basis पर लगाने का प्रावधान करना। **अनुमानित लागत रूपये** : रू. 69,08,256.00 **निविदा संख्या** : 24/17–18 **कार्य का विवरण** : जोधपुर मंडल के 47 नग मानव रहित समपार फाटकों को मैनिंग करने हेतु बिलजी से सम्बन्धित कार्य का प्रावधान करना। **अनुमानित लागत रूपये** : रू. 1,22,67,966.28 **1166-PA/17**

रेलगाड़ी की छत या पायदान पर बैठकर यात्रा न करें।

सूचना

कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे :

alpaviram@gmail.com